मूल हिंदी में

भारत सरकार

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं.2699

06.03.2020 को उत्तर के लिए

इको टॉस्क फोर्स बटालियन

2699. श्री तीरथ सिंह रावत :

क्या **पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) वर्तमान में उत्तराखंड में पर्यावरण संरक्षण के कार्य में लगी इको टॉस्क फोर्स बटालियन का ब्यौरा क्या है;

(ख) क्या सरकार इस समय नई प्रौद्योगिकियों के बेहतर उपयोग के माध्यम से इको टॉस्क फोर्स बटालियनों की क्षमता और दक्षता में वृद्धि करने के लिए कोई योजना कार्यान्वित कर रही है;

(ग) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(घ) क्या सरकार का भविष्य में राज्य एजेंसियों के सहयोग से और अधिक ऐसे बटालियनों की स्थापना करने का विचार है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री
(श्री बाबुल सुप्रियो)

(क) से (ग) : पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय (एमओईएफसीसी) एक ईको विकास फोर्स योजना कार्यान्वित कर रहा है जिसके अंतर्गत यह चार राज्यों अर्थात असम, जम्मू व कश्मीर, राजस्थान और उत्तराखंड में 06 ईको टॉस्क फोर्स (ईटीएफ) बटालियनों की सहायता करता है। उत्तराखंड में वर्तमान में दो ईटीएफ बटालियनें पर्यावरण संरक्षण के कार्य में संलग्न हैं। ये 127 इंफेन्ट्री बटालियन (प्रादेशिक सेना, टीए) ईकोलॉजिकल, गढ़वाल राइफल्स और 130 इंफेन्ट्री बटालियन (टीए) ईकोलॉजिकल कुमायू हैं।

ईटीएफ बटालियनों ने अपने कार्यों में ड्रिप और स्प्रिंकलर सिंचाई, रूट ट्रेनर तकनीक, बायो और वर्मी कॉमोस्टिंग, मिस्ट चैंबर्स, ग्रीन और पॉली हाउस, सीड बॉल इत्यादि जैसी नई प्रोद्योगिकियों को नियोजित करके कार्यों की गुणवत्ता बढ़ाने के लिए कई प्रभावी उपायों को अपनाया है।

(घ) और (ङ): रक्षा मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार, यदि राज्य सरकार, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय आदि प्रस्तावित ईटीएफ (टीए) बटालियनों के संबंध में पूरे खर्च को वहन करने के लिए दृढ़ता से प्रतिबद्ध हों, तो वह ईटीएफ (टीए) बटालियनों को बढ़ाने पर विचार करता है। वर्तमान में, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय अतिरिक्त ईटीएफ बटालियनों के लिए निधि में वृद्धि करने का प्रस्ताव नहीं कर रहा है।

****